सेन्ट्रल जोन इंश्योरेन्स एम्पलाईज एसोसियेशन

(ए.आई.आई.ई.ए. से सम्बद्ध)

प्रभांजलि, 33, आर.डी.ए. कालोनी, टिकरापारा, रायपुर (छ.ग.)

अध्यक्ष : का. एन. चक्रवर्ती

महासचिव : का. बी. सान्याल

परिपत्र क्र. : 04/2014

दिनांक : 01.05.2014

मध्य क्षेत्र के समस्त बीमा कर्मियों के नाम

प्रिय साथियों,

विषय : मई दिवस अमर रहे।

मजदूर वर्ग के ऐतिहासिक महापर्व मई दिवस 2014 के मौके पर हम बीमा कर्मचारियों के साथ-साथ देश व दुनिया के तमाम मेहनतकशों का क्रांतिकारी अभिनंदन करते हुए उन्हें बिरादराना क्रांतिकारी शुभकामनाएं प्रेषित करते हैं।

मई दिवस विश्व स्तर पर साम्राज्यवादी नृशंस शोषण के खिलाफ शोषण रहित समाज व्यवस्था के लिये संघर्षरत विश्व के मेहनतकश के लिये अपने अंतिम लक्ष्य के प्रति प्रतिबद्धता को पुर्नउद्घोषित करने का अवसर होता है। मई दिवस साथ ही युद्धोन्मादी साम्राज्यवादी घृणित मुहिम के खिलाफ शांति के पक्ष में आवाज बुलंद करने वाले विश्व के आमजनों का युद्ध के खिलाफ शांति के पक्ष में जारी संग्राम को आगे बढ़ाने के प्रति विश्व जनमत के संकल्प को पुर्नउद्घोषित करने का भी अवसर होता है। मई दिवस हमें आर्थिक आजादी के साथ-साथ राजनैतिक आजादी हासिल करने, 8 घण्टे के काम का अधिकार, लैंगिक समानता, धर्म, भाषा, जाति, क्षेत्र, अंचल के आधार पर भेदभाव व शोषण के खिलाफ तथा मानव द्वारा मानव के शोषण से मुक्त समाजवादी समाज के निर्माण और जनता के जनतंत्र पर आधारित वास्तविक जनतंत्र की स्थापना के लिये संघर्ष में जुटी विश्व भर के मुक्तिकामी जनता के आन्दोलनों को अटूट प्रतिबद्धता के साथ जारी रखने के शंखनाद का उद्घोष करने का एक अहम अवसर भी उपलब्ध कराता है।

इस पृष्ठभूमि में मई दिवस 2014 दुनिया के स्तर पर वैश्वीकरण-उदारीकरण-निजीकरण के साम्राज्यवादी मुहिम के चलते मजदूर वर्ग के रोजगार, वेतन, पेंशन जैसी सामाजिक सुविधा हितलाभ पर नग्न आक्रमणों के खिलाफ समूची दुनिया में तीखे हो रहे संघर्षों की तीव्रता को व्यापकतम स्तर पर विकसित करने का विश्वास प्रतिध्वनित करता है। ''हम 99 प्रतिशत और वे 1 प्रतिशत'' के नारे को लेकर साम्राज्यवाद के सरगना अमेरिका में प्रारंभ हुए संघर्ष का विश्व के प्रत्येक कोने में विस्तृत हो जाना तथा विश्व आर्थिक संकट की आड़ में रोजगार हन्ता विकास और आम जनता के बुनियादी अधिकारों पर वहशी आक्रमणों के खिलाफ यूरोपीय देशों के साथ-साथ दुनिया के प्रत्येक देशों में हड़ताल सहित मजदूर वर्ग के अनेकानेक संघर्षों की निरन्तर गूंज इसी तथ्य की पुष्टि करता है। हमें विश्वास है कि आगामी दिनों में विश्व के मेहनतकशों का अपने हक और अधिकार को हासिल करने का यह संघर्ष और नई ऊंचाईयों को छुयेगा।

भारत के मजदूर वर्ग मई दिवस ऐसे मौके पर मना रहे हैं, जब देश आम चुनाव के दौर से गुजर रहा है। विगत दो दशकों से अधिक समय से हमारे देश में सत्तासीन राजनैतिक पार्टियों ने साम्राज्यवाद परस्त उन्हीं उदारवादी नीतियों को देश की जनता पर थोपा है जिन नीतियों ने दुनिया के आम जनता पर 1930 की महामंदी से भी गहरी आर्थिक मंदी या आर्थिक संकट को जन्म दिया है। इन नीतियों के चलते जहां दुनिया दो हिस्सों में बांट दी गई जिसमें एक ओर 99 प्रतिशत लोग हैं

जिनके पास जिन्दा रहने लायक आय का साधन नहीं है, तो दूसरी ओर 1 प्रतिशत लोग ऐसे हैं जो दुनिया के 99 प्रतिशत जनता की सम्पत्ति के मालिक हैं। भारत की कहानी भी इससे भिन्न नहीं है। भारत भी दो भारत में बांट दिया गया है। एक भारत जहां 59 खरबपति हैं, जो देश की कुल सम्पत्ति के बहुमत हिस्से के मालिक हैं, वहीं दूसरी ओर 77 प्रतिशत वे लोग जिनके पास रोजाना 20 रू. की आमदनी भी नहीं है यानि, चंद लोगों के लिये चमकता भारत तो बहुमत जनता के लिये वंचितों का भारत।

उपरोक्त नीतियों के कारण ही देश की बहुसंख्य जनता गरीबी, बेरोजगारी, भूखमरी, अशिक्षा, कुपोषण की शिकार है। किसान आत्महत्या के लिये मजबूर है, बड़ी संख्या में महिलायें खून की कमी का शिकार हैं, महंगाई ने आम आदमी का जीना मुहाल कर दिया है। इस हालात के खिलाफ देश के मजदूर वर्ग की 10 सूत्रीय साझा मांगों को लेकर झण्डों के रंगों और विचारधाराओं से परे एक मजदूर के रूप में विभिन्न ट्रेड यूनियनों के मध्य कायम हुई संयुक्त संघर्षों की बेमिसाल पहल भी सामने आई है। 20-21 फरवरी 2013 की ऐतिहासिक दो दिवसीय हड़ताल, 12 दिसम्बर 2013 को अभूतपूर्व संसद मार्च और उसके बाद देशव्यापी जेल भरो आन्दोलन में प्रदर्शित हुई मेहनतकशों की विराट एकता नवउदारवादी नीतियों के खिलाफ भारत के मजदूर वर्ग की तीव्र होती संघर्ष गाथा का परिचायक है। भारत के मजदूर वर्ग को साम्राज्यवादी उदार आर्थिक नीतियों के साथ-साथ मेहनतकशों की वर्गीय एकता की दुश्मन साम्प्रदायिक शक्तियों, दोनों के ही विरूद्ध समान शक्ति के साथ संघर्ष की धार को विकसित करते रहना होगा। क्योंकि अंतिम विश्लेषण में इन दोनों के खिलाफ लड़े बिना हमारे किसी भी संघर्ष को विकसित करना संभव नहीं होगा। इस परिप्रेक्ष्य में निश्चय ही मई दिवस के ऐतिहासिक मौके पर नवउदारवाद की आर्थिक नीतियों की घोर समर्थक भाजपा व कांग्रेस से इतर व्यक्ति नहीं नीतियों के विकल्प के लिये संग्राम में जुटी मेहनतकशों का संघर्ष का काफिला आगामी दिनों में और सुदृढ़ होगा, यह हमारा विश्वास है।

बीमा कर्मचारी उपरोक्त नीतियों के तहत राष्ट्रीयकृत बीमा उद्योग को नेस्तनाबूत करने के मकसद से बीमा क्षेत्र में विदेशी पूंजी निवेश की सीमा को 26 प्रतिशत से बढ़ाकर 49 प्रतिशत किये जाने के प्रयासों के खिलाफ जनमत निर्माण के संघर्ष में जुटे हैं। AIIEA के नेतृत्व में व्यापक जनअभियानों का ही नतीजा है कि अब तक देश की शासक पार्टियां बीमा कानून संशोधन विधेयक 2008 को पारित नहीं कर पायी। आगामी दिनों में इस मामले में भी हमें हमारा जन अभियान व्यापक रूप से जारी रखना होगा। हमें हमारी लंबित वेतन पुनर्निर्धारण को हासिल करने भी आगामी दिनों में पुख्ता संघर्ष के लिये तैयार रहना होगा।

पुन: एक बार मई दिवस के मौके पर आप तमाम साथियों को असंख्य अभिनंदन के साथ-साथ मजदूर वर्ग की वर्गीय एकता के दुश्मन साम्प्रदायिक, फिरकापरस्त ताकतों व नवउदारवादी-पूंजीवादी निर्मम शोषणकारी नीतियों के खिलाफ संघर्ष में सर्वोच्च योगदान की अपेक्षाओं के साथ हम अपनी शुभकामनाएं प्रेषित करते हैं।

क्रांतिकारी अभिवादन के साथ,

आपका साथी

(बी. सान्याल)

महासचिव

मई दिवस अमर रहे

मुद्रक : एक्सेल ऑफसेट प्रिन्टर्स, फूल चौक, रायपुर (छ.ग.) दूरभाष : 0771-4053295